गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

सिर्फ सच के साथ...

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

वर्ष : 03 अंक: 06 | गोरखपुर रविवार 03 अगस्त 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

आप तो सबसे डरपोक और दब्बू पीएम साबित हुए : संजय सिंह

एजेंसी

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी को ललकारा है कि देश का अपमान करने वाले डोनाल्ड ट्रंप को जवाब देने की हिम्मत दिखाइए। ट्रंप ने हाल ही में भारत पर टैरिफ लगाया है और रूस से तेल खरीदने पर जुर्माना भी लगाया है। इसके बाद ट्रंप ने अब उड़ती खबरों के आधार पर दावा किया है कि भारतीय कंपनियों ने रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया है, जो अच्छी बात है। इस वीडियो को शेयर करते हुए संजय सिंह ने पोस्ट लिखी है कि मोदी जी देश का अपमान मत करिये, थोड़ी हिम्मत दिखाइए, आप तो सबसे डरपोक और दब्बू पीएम साबित हुए। "ट्रम्प ने आपको धमकाया" और आपने भारत के परंपरागत मित्र रुस से तेल खग्रीदना बंद कर दिया। रुस ने हर बुरे वक्त में भारत का साथ दिया, आपने "धोखेबाज ट्रम्प" के आगे घुटने टेक दिया।

दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से किया भारत की शक्ति व सामर्थ्य का अहसास: मुख्यमंत्री

संवाददाता

वाराणसी/लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत की शक्ति व सामर्थ्य का अहसास किया है। नया भारत पहलगाम के अपराधियों को मिट्टी में मिलाकर और दुश्मन के घर में घुसकर उसका खात्मा करने का माद्दा रखता है। सीएम ने कहा कि पीएम मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय राजनेता हैं। पिछले 11 वर्ष में चार दर्जन से अधिक देशों ने उन्हें अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान समर्पित किया है। लोककल्याण और विश्वकल्याण के लिए दुनिया उनकी दूरदर्शिता का लोहा मानती है। जुलाई में घाना, त्रिनिदाद-टोबैगो, नामीबिया, ब्राजील ने सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रधानमंत्री जी को समर्पित करके 140 करोड़ भारतवासियों का गौरव बढ़ाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में ग्रामसभा-बनौली (कालिका धाम), सेवापुरी में आयोजित लोकार्पण/शिलान्यास समारोह को संबोधित किया। सीएम ने ऑपरेशन सिंदूर के उपरांत पावन श्रावण मास में देवाधिदेव महादेव के धाम और अपने संसदीय क्षेत्र काशी में आने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत-अभिनंदन किया। सीएम योगी ने कहा कि सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री संसद में इस अविनाशी काशी का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रधानमंत्री जी कहते हैं कि काशी की आत्मा सनातन और आत्मीयता वैश्विक है। काशी 11 वर्ष में नूतन व पुरातन के साथ आध्यात्मिकता व आधुनिकता के नए संगम के रूप में दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र बनी है। यह पहली बार हो रहा होगा, जब कोई प्रधानमंत्री अपने क्षेत्र में 51वीं बार उपस्थित हुए होंगे। सीएम योगी ने बताया कि इन वर्षों में वाराणसी के लिए 51 हजार करोड़ की परियोजनाएं स्वीकृत हुईं। इनमें से 34 हजार करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण पीएम के करकमलों से हो गया है, जो समग्र विकास की नई अवधारणा के साथ काशी को पहचान दिला रहे हैं। 16 हजार करोड़ से अधिक की परियोजनाएं प्रगति के अलग-अलग चरणों में हैं। इस बार भी प्रधानमंत्री 2200 करोड़ की परियोजनाओं का उपहार अपनी काशी को दे रहे हैं। यह परियोजनाएं कनेक्टिविटी, जलापूर्ति, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल प्रतिस्पर्धा-गतिविधि, सांस्कृतिक पुनरोत्थान के लिए है। सीएम योगी ने कहा कि सक्षम भारत की कल्पना को साकार करने में दिव्यांगजनों का भी बड़ा योगदान है। दिव्यांग प्रधानमंत्री जी द्वारा दिया गया शब्द है।

सम्पादकीय...

भारत विरोधी सनक

अब तो साफ हो गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति भारतीय मेधा व भारत की तरक्की को अपने लिये खतरे के रूप में देख रहे हैं। दूसरे कार्यकाल में आये दिन भारत के खिलाफ उनके बयान दरअसल अमेरिका के असुरक्षाबोध को ही दशार्ते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाक टकराव को खत्म करवाने के जिस तरह वे शेख चिल्ली दावे करते रहते हैं, वह उनका एक अपरिपक्व व अनुभवहीन राजनेता होना ही दशार्ते हैं। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के उनके थोथे दावों के बीच उन्होंने भारतीय आईटी प्रतिभाओं को दरकिनार करने की बात कही है। उनके तंग नजरिये से साफ हो गया है कि वे भारतीय प्रतिभाओं के उफान को अपने लिये एक चुनौती के रूप में देख रहे हैं। यह साफ है कि उनका लगातार बढ़ता प्रवासी विरोध आखिरकार अमेरिका को ही नुकसान पहुंचाएगा। एक बात तो तय है कि भारत लगातार ट्रंप के निशाने पर है। वे लगातार कहते रहे हैं कि अमेरिकी कंपनियां केवल अमेरिकियों को ही नौकरी दें। यह भी कहते रहे हैं कि अमेरिकी टेक कंपनियों ने अपने फायदे के लिये चीन में फैक्ट्रियां लगाकर उसे समृद्ध किया। इन कंपनियों द्वारा भारतीयों को अवसर देना उन्हें रास नहीं आ रहा है। यही वजह है कि पिछले दिनों उन्होंने एप्पल को चेतावनी दी थी कि यदि उसने भारत में आईफोन का उत्पादन किया तो सजा के तौर पर उस पर पच्चीस फीसदी टैरिफ लगाया जाएगा। यह विडंबना ही है कि जिस वैश्वीकरण व उदारीकरण के नाम पर अमेरिका ने अपार संपदा जुटाई, उससे दूसरे देशों को फायदा पहुंचना उसे नागवार गुजर रहा है। यह कैसे संभव है कि हर सामान का उत्पादन अमेरिका में ही हो, और उस कंपनी में सिर्फ अमेरिकी ही कर्मचारी हों। निस्संदेह, प्रतिभा और कार्यकुशलता किसी एक देश का कॉपी राइट नहीं हो सकता। मौजूदा दौर की वैश्विक अर्थव्यवस्था में मुक्त व्यापार के दौर में कोई देश अपनी अर्थव्यवस्था के दरवाजे दूसरों के लिये बंद करके समृद्ध नहीं हो सकता है। दरअसल, आज खुली अर्थव्यवस्था में मल्टीनेशनल कंपनियां अपना मुनाफा देखती हैं। उन्हें जहां सस्ता श्रम व प्राकृतिक संसाधन सुलभ होते हैं, वहीं उत्पादन इकाई लगाती हैं। ट्रंप को यह नहीं भूलना चाहिए कि आईटी के क्षेत्र व सिलिकॉन वैली में यदि समृद्धि की बयार बह रही है, उसमें भारतीयों का बड़ा योगदान है। आज यदि अमेरिका की बड़ी आईटी कंपनियों में भारतीय शीर्ष पदों पर हैं तो अपनी प्रतिभा के बूते ही हैं। एक शोध में खुलासा हुआ है कि सिलिकॉन वैली के करीब एक तिहाई टेक कर्मी भारतीय मूल के हैं। अपनी योग्यता के बूते दर्जनों टेक कंपनियों में भारतीय आईटी विशेषज्ञ ऊंचे ओहदों पर विराजमान हैं। निश्चित रूप से भारतीय टेक विशेषज्ञ अमेरिका आर्थिकी को गति देने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। ऐसे में ट्रंप की यह चेतावनी कि महत्वपूर्ण आईटी कंपनियां व सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भारतीयों को महत्व न दें, उनकी संकुचित व प्रतिगामी सोच का ही पर्याय है। अब यदि कड़ी मेहनत और प्रतिभा के बूते भारतीय अमेरिका में दूसरे नंबर के समृद्ध प्रवासी हैं, तो उसके मूल में उनकी कड़ी मेहनत और प्रतिभा है। जिसका कोई दूसरा विकल्प नहीं हो सकता। यह रोचक तथ्य है कि अमेरिकी आबादी का डेढ़ प्रतिशत होने के बावजूद भारतीय प्रवासी छह फीसदी आयकर देते हैं।

राशिफल

मेषः- आज सावधानी बरतने की सलाह गणेशजी आपको देते हैं। संभव हो तो सरकार विरोधी कार्य से दूर रहिएगा। दुर्घटना से भी बचकर चलिएगा। बाहर के खानपान की आदत के कारण स्वास्थ्य बिगड़ने की संभावना है। कार्य समयानुसार पूर्ण नहीं होंगे। व्यवसाय में भी संभलकर चलने की गणेशजी सलाह देते हैं।

वृषभः- आपको रुचिकर मित्रों और स्वजनों के साथ घूमने-फिरने से आनंद-उल्लास प्राप्त होगा। सुंदर वस्त्राभूषण और भोजन का अवसर भी आपको प्राप्त होगा, परंतु मध्याह्न के बाद स्वास्थ्य संभालने की ओर सावधानी बरतने की गणेशजी सलाह देते हैं। खर्च अधिक होगा।

मिथुनः- आपको रुचिकर मित्रों और स्वजनों के साथ घूमने-फिरने से आनंद-उल्लास प्राप्त होगा। सुंदर वस्त्राभूषण और भोजन का अवसर भी आपको प्राप्त होगा, परंतु मध्याह्न के बाद स्वास्थ्य संभालने की ओर सावधानी बरतने की गणेशजी सलाह देते हैं। खर्च अधिक होगा।

कर्कः- गणेशजी कहते हैं कि भविष्य के लिए आर्थिक योजना बनाने के लिए समय अच्छा है। एकाग्रतापूर्वक कार्य करने से कार्य में सफलता अवश्य मिलेगी। किसी के साथ वाद-विवाद न कीजिएगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है। पारिवारिक वातावरण में शांति बनी रहेगी।

सिंहः- आज आप शारीरिक और मानसिक रूप से अस्वस्थ रहेंगे। माता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता रहेगी। आर्थिक रूप से हानि हो सकती है। फिर भी मध्याह्न के बाद आप आर्थिक योजनाओं पर विचार कर सकते हैं। परिश्रम के अनुरूप परिणाम मिलेगा। विद्यार्थियों को कार्य में सफलता प्राप्त होगी।

कन्याः- गूढ़ रहस्य और आध्यात्मिकता के प्रति आपका अधिक आकर्षण रहेगा। गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है। प्रियजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों पर आप विजय प्राप्त कर सकेंगे। मध्याह्न के बाद स्थिति में बदलाव होगा।

तुलाः- गूढ़ रहस्य और आध्यात्मिकता के प्रति आपका अधिक आकर्षण रहेगा। गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है। प्रियजनों के साथ मुलाकात होगी।

रूसी तेल पर ट्रंप का नवीनतम कदम भारतीय आर्थिक स्थिरता के लिए खतरा

के रवींद्रन

रूसी तेल खरीद पर डोनाल्ड ट्रंप का नवीनतम कदम, उनके बयानबाजी और फिर चुपचाप पीछे हटने के सामान्य तरीके से एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है। एक आश्चर्यजनक उलटफेर करते हुए, उन्होंने रूसी तेल आयात जारी रखने वाले देशों के खिलाफ कार्रवाई की समय सीमा आगे बढ़ा दी है, और ऐसा उन्होंने इतनी दृढ़ता से किया है कि कूटनीतिक और ऊर्जा बाजार दोनों ही हड़बड़ा गए हैं। अब तक, दंडात्मक आर्थिक उपायों के प्रति ट्रंप का दृष्टिकोण मुख्यतरू डींगें हांकने और शेखी बघारने तक ही सीमित रहा हैकृनाटकीय कदमों की घोषणा, केवल दबाव में उन्हें या तो कमजोर करने या विलंबित करने के लिए। हालांकि, इस बार ऐसा लगता है कि वह पहले से कहीं अधिक तत्परता के साथ, अपने कदमों पर अमल कर रहे हैं। प्रतिबंध लगाने के लिए केवल 10 से 12 दिनों की संशोधित समय-सीमा, जबकि बमुश्किल एक पखवाड़े पहले उन्होंने 50 दिनों की मोहलत दी थी, न केवल बयानबाजी में बल्कि संकल्प में भी बदलाव दशार्ती है। वैश्विक तेल बाजारों के लिए, और विशेष रूप से भारत और चीन जैसे देशों के लिए, जिन्होंने रूस के साथ मजबूत तेल व्यापार संबंध बनाए रखे हैं, इस फैसले ने अस्थिरता का एक नया स्तर ला दिया है। इस घोषणा की प्रतिक्रिया में ब्रेंटक्रूड की कीमत पहले ही 3 प्रतिशत बढ़ चुकी है, और यह उथल-पुथल की शुरूआत हो सकती है। ट्रम्प द्वारा अभी भी रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी, सावधानीपूर्वक तैयार की गई वैश्विक ऊर्जा प्रणाली में एक बड़ा झटका साबित होगी। भारत, जो यूक्रेन संघर्ष के बाद से पारंपरिक ऊर्जा समझौतों के उलट जाने के बाद से रियायती रूसी कच्चे तेल के सबसे बड़े लाभार्थियों में से एक रहा है, के लिए दांव अविश्वसनीय रूप से ऊंचे हैं। ट्रम्प प्रशासन द्वारा रूसी तेल खरीदारों के खिलाफ दंडात्मक टैरिफ को फिर से लागू करना उसकी व्यापक विदेश नीति के रुख का भी पुनर्मूल्यांकन है। जबकि पश्चिमी देशों ने, उनसे पहले बाइडेन प्रशासन के नेतृत्व में, तेल की कीमतों को राजनीतिक हेरफेर से दूर रखने की कोशिश की और इसके बजाय आपूर्ति स्थिरता सुनिश्चित करते हुए रूसी राजस्व को सीमित करने के लिए मूल्य सीमा तंत्र पर भरोसा किया, ट्रंप के दृष्टिकोण में न तो सूक्ष्मता है और न ही बहुपक्षीय बारीकियां। 100 प्रतिशत टैरिफ की उनकी धमकी उन जटिल भू-राजनीतिक विचारों की अनदेखी करती है जिन्हें भारत जैसे देशों को संतुलित करना होता है। भारत ने लगातार तर्क दिया है कि रूस से उसकी तेल खरीद राष्ट्रीय हित और ऊर्जा सुरक्षा का मामला है, न कि भू-राजनीतिक अवज्ञा का। यूरोप के विपरीत, भारत के पास वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की इतनी आसानी से उपलब्धता नहीं है, और रूस के साथ उसके संबंध दशकों के रणनीतिक और रक्षा सहयोग में अंतर्निहित हैं। अगर ट्रंप के रुख का वास्तविक नीतिगत उपायों के साथ पालन किया जाता है, तो यह भारत को भू-राजनीतिक बंधन में डाल सकता है। ट्रंप के अचानक बदलाव ने अनिश्चितता को और बढ़ा दिया है। ऊर्जा व्यापारियों और नीति निमार्ताओं ने पहले की 50-दिवसीय नोटिस अवधि को पचाना शुरू ही किया था कि इस तेजी से कम की गई समय-सीमा ने उन्हें चैंका दिया। यह कदम वैश्विक कूटनीति के प्रति ट्रंप के लेन-देन संबंधी

दृष्टिकोण का प्रतीक है। उनकी दुनिया में, व्यापार और राष्ट्रीय हित अविभाज्य हैं, और जो लोग उनके द्वारा परिकल्पित गठबंधन से विचलित होते हैं, उन्हें दंडित किया जाना चाहिए, भले ही वे दीर्घकालिक साझेदार ही क्यों न हों। भारत और चीन को दंडात्मक कार्रवाई के लिए एक साथ रखा जाना इस बात पर प्रकाश डालता है कि जब कथित आर्थिक हित दांव पर होते हैं, तो ट्रम्प का विश्वदृष्टिकोण हमेशा विरोधियों और सहयोगियों के बीच अंतर नहीं करता है। भारत के लिए, इसके परिणाम केवल आर्थिक ही नहीं, बल्कि रणनीतिक भी हैं। पिछले दो वर्षों में, रूसी तेल की ओर उसका झुकाव व्यावहारिक रहा है। पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण महत्वपूर्ण छूट पर उपलब्ध रूसी कच्चे तेल ने भारत को अपनी अर्थव्यवस्था को अन्य देशों द्वारा झेले गए तेल झटकों से बचाने में मदद की। इसने भारतीय रिफाइनरियों को राहत दी और राजनीतिक रूप से संवेदनशील माहौल में घरेलू मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में मदद की। यदि 100 प्रतिशत टैरिफ का खतरा साकार हो जाता है, तो यह सुरक्षा रातोंरात गायब हो जाएगी। भारतीय तेल कंपनियों को या तो रूसी बैरल को पूरी तरह से त्यागना होगा- जिससे उन्हें मध्य पूर्व और अफ्रीका से अधिक सघन और महंगी आपूर्ति के लिए प्रतिस्पर्धा करनी होगी- या दंडात्मक लागत वहन करनी होगी, जिसका बोझ लगभग निश्चित रूप से भारतीय उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। इसके अलावा, ट्रंप की धमकी का समय नई दिल्ली के लिए इससे ज्यादा खतरनाक नहीं हो सकता था।

कुछ खास...

अबकी बार ट्रंप का वार

हाउडी मोदी, नमस्ते ट्रंप, अबकी बार

ट्रंप सरकार, माई डियर फ्रेंड इन सबको धता बताते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने देश के हितों का हवाला देते हुए भारतीय आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने का ऐलान कर दिया है। 1 अगस्त की समय सीमा पहले ही तय कर दी गई थी, जिस पर ट्रंप सरकार ने अमल कर दिया। राष्ट्रपति ट्रंप ने दूसरी बार शपथ लेने के साथ ही कुछ बड़े फैसले लिए थे, जिनमें सर्वाधिक चर्चा शुल्क नीति की रही। दुनिया भर के देश अमेरिका पर ज्यादा शुल्क थोपते हैं, जिससे देश को घाटा होता है, लेकिन अब ऐसा नहीं चलेगा, कुछ इस अंदाज में ट्रंप ने अपनी शुल्क नीति का ऐलान किया था। इस बारे में प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान भी उन्होंने बयान दिया था, भारत का नाम लेकर कहा था कि तुम जितना शुल्क हम पर लगाओगे, हम भी उतना ही लगाएंगे। श्री मोदी अपने देश पर हो रहे इस शाब्दिक हमले को चुपचाप सुनते रहे, यह सबने देखा। रुस, चीन, जापान, फ्रांस ऐसे कई देशों ने ट्रंप की नीति की आलोचना की थी। लेकिन भारत में मोदी सरकार की तरफ से इस बारे में खुलकर कभी कुछ नहीं कहा गया। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल इस बीच अमेरिका दौरा कर चुके हैं, लेकिन इससे भी भारत अपने पक्ष में सौदा नहीं करवा सका। ट्रंप ने न केवल शुल्क बढ़ाया है, बल्कि रूस से तेल और रक्षा सौदे करने पर भारत पर जुमार्ना भी थोपा है। संदेश साफ है कि ट्रंप केवल अपने देश में ही नहीं, पूरी दुनिया में अपने मनमाफिक व्यापार नियम बनवाना चाहते हैं। अमेरिका को दुनिया का चैधरी क्यों कहा जाता है, ट्रंप उसकी जीती-जागती मिसाल दिखा रहे हैं। ट्रंप से पहले भी अन्य अमेरिकी राष्ट्रपतियों का रवैया ऐसा ही था, लेकिन कम से कम उनमें कूटनीतिक सज्जनता, शिष्टता दिखाने का लिहाज था। ट्रंप ने तो सारे आवरण उठा फेंके हैं। भारत पर जुमार्ना लगाने जैसा अपमान ही काफी नहीं है, जो अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रूथ पर ट्रंप ने पाकिस्तान के साथ हुए समझौते का ऐलान करते हुए लिखा कि हमने पाकिस्तान के साथ एक नया समझौता किया है। इसके तहत अमेरिका और पाकिस्तान मिलकर वहां के विशाल तेल भंडार का विकास करेंगे। हम उस तेल कंपनी को चुनने की प्रक्रिया में हैं जो इस पार्टनरशिप का नेतृत्व करेगी। कौन जानता है, शायद एक दिन पाकिस्तान भारत को तेल बेचे। इस पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने भी ट्रंप को धन्यवाद देते हुए लिखा है कि यह ऐतिहासिक समझौता हमारे बढ़ते सहयोग को और मजबूती देगा, ताकि आने वाले दिनों में हमारी स्थायी साझेदारी के दायरे को और विस्तार दिया जा सके। अमेरिका और पाकिस्तान की यह नजदीकी पहलगाम हमले के बाद और ज्यादा देखने मिल रही है, क्या मोदी सरकार को यह भी नजर नहीं आ रहा है।

पाकिस्तान ने ट्रंप का आभार मानने की ऐसी ही तत्परता तब भी दिखाई थी जब ट्रंप की तरफ से युद्धविराम का ऐलान हुआ था। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तब भी चुप थे और अब भी वे चुप हैं। कम से कम इन पंक्तियों के लिखे जाने तक तो नरेन्द्र मोदी की तरफ से ऐसा कोई वक्तव्य नहीं आया है, जिसमें उन्होंने शुल्क थोपे जाने या पाकिस्तान के साथ हुए समझौते को लेकर कुछ कहा हो।

सैयारा की सफलता पर अनीत के टीचर्स ने स्कूल डेज से लेकर स्टार बनने तक का दिखाया सफर तो रो पड़ीं एक्ट्रेस

एक्ट्रेस अनीत पड्डा इन दिनों ने बॉक्स-ऑफिस पर कमाई उनके अमृतसर स्थित स्कूल, सफलता पर एक खास बेहद खास अंदाज में पड्डा ने अपने स्कूल की पर शेयर किया, जिसमें के दिनों से लेकर 2025 ब्लॉकबस्टर स्टार बनने सफर दिखाया गया है। न केवल उनकी पर बधाई दी, बल्कि भविष्य के लिए अनीत का कोई अनीत अमृतसर में अपने करियर की एक घरेलू नाम बना मेहनती और बहु अनदेखे पल भी शामिल रिलीज सैयारा में लीड और उनके उज्वल शब्दों में बयां नहीं कर डेल्स (स्कूल) वो जगह यकीन करना भी नहीं आए हैं, वह मेरे लिए भीतर वही छोटी कल्पना किया करती बल्कि मेरी सोच और आकर व्यक्तिगत रूप से बल्कि मेरी पहचान का साथ देने के लिए और लिए एक घर हमेशा सूरी द्वारा निर्देशित ने भारतीय

नेशनल क्रश बनी हुई हैं। हालिया रिलीज हुई उनकी डेब्यू फिल्म सैयारा में डेब्यू एक्टर अहान पांडे संग उनकी केमिस्ट्री को लोगों का खूब प्यार मिल रहा है। फिल्म के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं और अब भी यह लगाकात दर्शकों की पहली पसंद बनी हुई है। इसी बीच हाल ही में अनीत पड्डा उस समय भावुक हो गईं जब स्प्रिंग डेल सीनियर स्कूल ने उनकी फिल्म सैयारा की वीडियो बनाकर उन्हें सम्मानित किया। एक्ट्रेस ने भी इस प्यार के लिए आभार व्यक्त किया। अनीत तरफ से मिले सम्मान का वीडियो इंस्टाग्राम उनके स्कूल क ी तक का स्कूल ने उपलब्धि उनके उज्ज्वल शुभकामनाएं भी दीं। फिल्मी बैकग्राउंड नहीं है। पली-बढ़ी हैं और उन्होंने शुरूआत विज्ञापनों से की। उनकी पहली अभिनय प्रस्तुति वेब सीरीज बिग गर्ल्स डोंट क्राई में थी, लेकिन सैयारा ने उन्हें दिया। वीडियो में अनीत के टीचर और स्कूल स्टाफ उनके छात्र जीवन को याद करते नजर आए। उन्होंने अनीत को एक प्रतिभाशाली छात्रा बताया जो हर गतिविधि में भाग लेती थीं। वीडियो में स्कूल नाटकों की झलकियां और दोस्तों संग बिताए किए गए हैं। स्कूल ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, हमें गर्व है कि हमारी पूर्व छात्रा अनीत पड्डा ने यशराज फिल्म्स की बड़ी रोल निभाकर शानदार सफलता हासिल की है। हम उन्हें इस शानदार उपलब्धि पर दिल से बधाई देते हैं भविष्य की कामना करते हैं।अनीत ने इस वीडियो को शेयर करते हुए एक भावुक नोट लिखा, मैं सकती कि मुझे ये देखकर कैसा महसूस हुआ। मैं बस मुस्कुराती रही और मेरी आंखों में आंसू थे। है जहां मैंने बड़े सपने देखना सीखा, जहां मुझ पर पहले विश्वास किया गया जब मैंने खुद पर सीखा था। मेरे शिक्षक, मेंटर और वहां के छात्र जिस तरह से यह खूबसूरत वीडियो लेकर बेहद भावुक कर देने वाला है। आज भी जब मैं किसी फिल्म सेट पर होती हूं, तो अपने लड़की महसूस करती हूं जो कभी यूनिफॉर्म में क्लास में बैठकर ऐसे ही जीवन की थी। अनीत ने लिखा,मैं चाहती हूं कि आप मुझ पर सिर्फ इस फिल्म के लिए नहीं, इंसान के तौर पर जो मैं बन रही हूं उसके लिए भी गर्व करें। मैं जल्द ही वापस आप सभी का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं। आपने मुझे सिर्फ शिक्षा ही नहीं दी, एक हिस्सा भी दिया जो मैं कभी नहीं भूलूंगी। धन्यवाद मुझे पहचानने के लिए, मेरा यह याद दिलाने के लिए कि चाहे मैं कितनी भी दूर चली जाऊं, मेरे पास लौटने के रहेगा।बता दें, यशराज फिल्म्स के सीईओ अक्षय विधानी द्वारा निर्मित और मोहित फिल्म सैयारा में अनीत पड्डा और अहान पांडेय मुख्य भूमिका में हैं अब तक फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 280 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई कर ली है।

मन्नू क्या करेगा टीजर रिलीज, व्योम और साची बिंद्रा की फ्रेश जोड़ी ने लूटा दिल

इंतजार खत्म हुआ! मन्नू क्या करेगा का टीजर अब रिलीज हो चुका है और यह पहली झलक देता है एक ऐसी कहानी की जो प्यार के खोने, जिंदगी के सबक सीखने और खुद की तलाश करने की है वो भी देहरादून की खूबसूरत वादियों के बीच। फिल्म का निर्देशन किया है संजय त्रिपाठी ने और इसे शरद मेहरा ने क्यूरियस आइज सिनेमा के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म हिंदी सिनेमा में व्योम और साची बिंद्रा की पहली फिल्म है, जो इंडस्ट्री की सबसे ताजा जोड़ी के रूप में दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार हैं। देहरादून की दिलकश लोकेशनों पर फिल्माई गई इस फिल्म के टीजर में व्योम और साची की मासूम सी मोहब्बत की झलक मिलती है जिसे एक आत्मीय बैकग्राउंड स्कोर और भी खास बनाता है। पर जैसे ही भावनाओं की लहर चढ़ती है, टीजर का मूड एकदम बदलता है दर्द, दूरी और दिल टूटने की आहट मिलती है। फिल्म का संगीत ललित पंडित ने दिया है और इसके कुछ गीत लिखे हैं जावेद अख्तर ने, जो हर फ्रेम की भावना को और भी गहराई देते हैं। फिल्म में विनय पाठक, कुमुद मिश्रा और चारु शंकर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे, जो इस म्यूजिकल रोमांटिक-कॉमेडी को एक परिपक्वता प्रदान करेंगे। टीजर पर बात करते हुए प्रोड्यूसर शरद मेहरा ने कहा, व्योम और साची हर फ्रेम में जो ताजगी लेकर आते हैं, वह दर्शकों को सीधे दिल से जोड़ती है। उनकी केमिस्ट्री कच्ची, सच्ची और ईमानदार है ठीक वैसी जैसी इस कहानी को जरूरत थी। मन्नू क्या करेगा कभी सिर्फ एक प्रेम कहानी नहीं रही, यह तो युवावस्था की उलझनों, नाजुक पलों और उस चुपचाप हिम्मत की बात करती है जो हर दिल के अंदर होती है। यह टीजर सिर्फ एक झलक है मन्नू की दुनिया की असली कहानी तो अभी बाकी है। मन्नू क्या करेगा12 सितंबर 2025 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फरहान अख्तर की 120 बहादुर कैसी बनी अब तक की सबसे ग्रैंड वॉर फिल्म

फरहान अख्तर बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं मेजर शैतान सिंह भाटी के रोल में, फिल्म 120 बहादुर के साथ, जो भारतीय सैन्य इतिहास के सबसे वीर युद्धों में से एक को दिखाती है। इस फिल्म का टीजर शायद वॉर 2 के साथ अटैच होगा और अगस्त के पहले हफ्ते में आधिकारिक तौर पर रिलीज हो सकता है, जिससे उत्साह तेजी से बढ़ रहा है। जैसे-जैसे फिल्म को लेकर बज बढ़ रहा है, वैसे-वैसे एक और चीज सबका ध्यान खींच रही है और वो है इस फिल्म का बड़ा पैमाना। मेजर शैतान सिंह भाटी की जिंदगी से जुड़ी फिल्म 120 बहादुर 1962 की रेजांग ला की लड़ाई की उस खास बहादुरी की कहानी है, जब 120 भारतीय जवानों ने हजारों दुश्मनों का सामना करते हुए लद्दाख की रक्षा की थी।

ये एक ऐसी लड़ाई थी जिसमें हिम्मत और कुबार्नी की हर हद पार कर दी गई। इस सच्ची कहानी को ईमानदारी और भावनाओं के साथ दिखाने के लिए मेकर्स ने ऐसा सेट तैयार किया है जो जितना मेहनत भरा था, उतना ही बड़ा और खास भी। ये फिल्म सिर्फ एक वॉर स्टोरी नहीं, बल्कि हमारे सिपाहियों की बहादुरी को सलाम है। यहाँ जानिए इस फिल्म को बनाने में कौन-सी 5 जबरदस्त बातें हैं जो हर किसी को हैरान कर सकती हैं। **1) 10,000 फीट की ऊंचाई पर -10त्से0 में हुई शूटिंग :** फिल्म की टीम ने लद्दाख की कड़ाके की ठंड और ऊंचाई वाली जगहों में शूटिंग की, जहां तापमान -10से0 तक गिर गया था। कम ऑक्सीजन और मुश्किल हालातों के बावजूद, युद्ध के सीन को असली जैसा दिखाने के लिए पूरी मेहनत की गई।

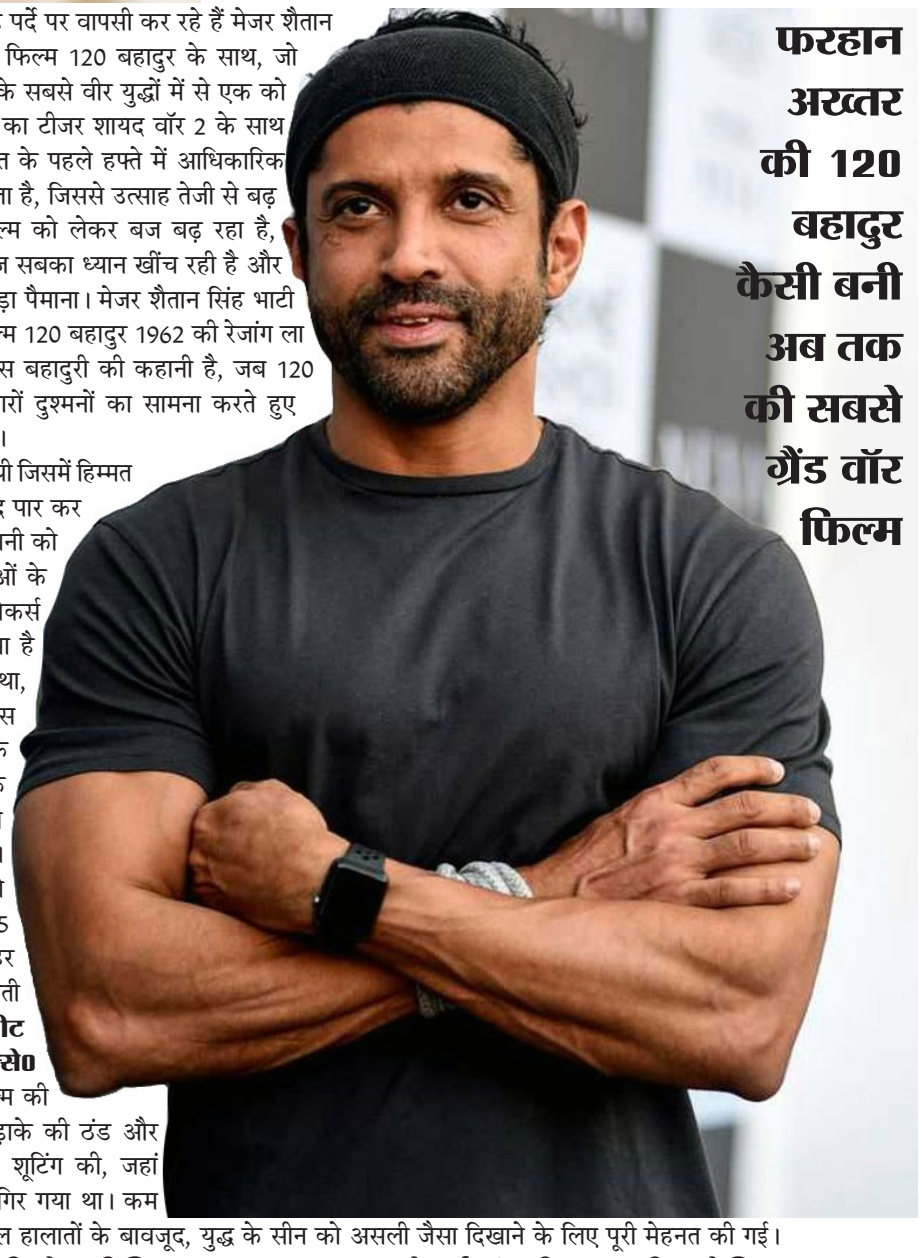

2) ऑस्कर जीतने वाली फिल्म ऑल क्वाइट ऑन द वेस्टर्न फ्रंट की एक्शन टीम को लिया साथ

120 बहादुर की एक्शन टीम वही है जिसने ऑस्कर जीतने वाली फिल्म ऑल क्वाइट ऑन द वेस्टर्न फ्रंट पर भी काम किया था।

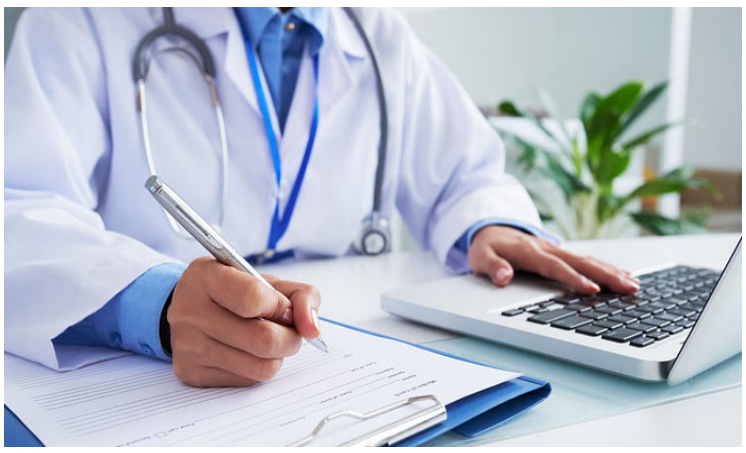

ब्रिटेन-अमेरिका में दहशत फैलाने वाली ये बीमारी अब भारत में भी पहुंची, मणिपुर में सामने आए 11 मामले

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और यूनिसेफ के डेटा से पता चलता है कि यूरोपीय देशों में खसरे के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं।

अब खसरा के मामले भारत में भी बढ़ते हुए देखे जा रहे हैं। खबरों के मुताबिक मणिपुर में खसरे का प्रकोप देखा जा रहा है, जहां कम से कम 11 लोगों को इसका शिकार पाया गया है।

बीते एक साल के आंकड़े उठाकर देखें तो पता चलता है कि दुनियाभर में कई ऐसी बीमारियों का खतरा एक बार फिर से बढ़ने लगा है जिनके मामले एक समय में काफी कंट्रोल हो गए थे। खसरा (मीजल्स) रोग उनमें से एक है जो पिछले कुछ समय से कई यूरोपीय देशों के लिए गंभीर चिंता का कारण बना हुआ है।विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और यूनिसेफ के डेटा से पता चलता है कि पिछले 25 वर्षों में पहली बार ऐसा हुआ है कि यूरोपीय क्षेत्र में खसरे के सबसे ज्यादा मामले सामने आए। साल 2024 में यूरोपीय क्षेत्र में खसरे के 1.27 लाख मामले सामने आए जो 2023 में दर्ज मामलों की संख्या से दोगुना है। ये 1997 के बाद से इस क्षेत्र में देखी गई सबसे ज्यादा संख्या है।खसरा के मामले अब भारत में भी बढ़ते हुए देखे जा रहे हैं। खबरों के मुताबिक मणिपुर के सेनापति जिले में खसरे का प्रकोप देखा जा रहा है, जहां कम से कम 11 लोगों को इसका शिकार पाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि इसी तरह के लक्षण दिखाने वाले 18 अन्य लोगों के सैंपल के नतीजे आने अभी बाकी हैं।भारत में ये बीमारी पिछले एक-दो दशकों में काफी नियंत्रित देखी गई थी हालांकि इसके फिर से बढ़ते मामले विशेषज्ञों की चिंता बढ़ाने लगे हैं।

मणिपुर में खसरा के मामले सामने आए

मणिपुर के स्वास्थ्य अधिकारियों ने सूचना दी है कि जिन 11 लोगों में खसरे का पता चला है उनमें से 10 मरीजों को टीके की एक भी खुराक नहीं मिली थी। अधिकारियों ने लोगों से टीका लगवाने का आग्रह करते हुए कहा कि इन इलाकों में किए गए एक त्वरित सर्वेक्षण में टीकाकरण में भारी अंतर का पता चला है, जो चिंताजनक है।जिला प्रशासन ने संक्रमण के प्रसार को नियंत्रित करने और टीकाकरण को बढ़ावा देने के लिए एक बैठक बुलाई। अधिकारियों ने कहा, टीकाकरण के प्रति लोगों की हिचकिचाहट ने मौजूदा स्थिति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सभी लोगों को इस बीमारी से बचाव के लिए वैक्सीनेशन पर विशेष जोर देने की आवश्यकता है।

मामले इतने कम फिर क्यों है चिंता?

भारत में खसरे को लेकर चिंता इसलिए है क्योंकि हाल के महीनों में दुनिया के कई देशों में इस बीमारी का भयंकर प्रकोप देखा गया है। हालिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका में खसरे के मामले अप्रैल के दूसरे हफ्ते तक 700 से ऊपर पहुंच गए थे। बच्चे इस संक्रमण से सबसे ज्यादा प्रभावित देखे जा रहे हैं, कई रोगियों को अस्पतालों में भी भर्ती करने की जरूरत पड़ी है। बढ़ते खतरे को देखते हुए यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ने लोगों का टीकाकरण कराने और संक्रमण बढ़ने की रफ्तार को कंट्रोल करने के लिए कई टीमों को तैनात किया है। अमेरिका में साल 2024 की तुलना में इस बार खसरा के मामले दोगुने से अधिक हैं।

वैक्सीनेशन में कमी ने बढ़ाई मुश्किलें

विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ द्वारा जारी आंकड़े बताते हैं कि दुनियाभर में 3 करोड़ से ज्यादा बच्चों को पूरी तरह से एमएमआर वैक्सीन नहीं लगाया गया है वहीं 1.43 करोड़ बच्चों को वैक्सीन की एक भी डोज नहीं लगी है। मीजल्स, मम्प्स और रूबेला (एमएमआर) वैक्सीनेशन को खसरे की रोकथाम के लिए सबसे प्रभावी माना जाता रहा है। अमेरिका के अलावा ब्रिटेन में भी इस बीमारी का प्रकोप देखा जा रहा है। ब्रिटेन को साल 2017 में, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मीजल्स फ्री घोषित कर दिया था, वहां इस रोग के मामले फिर तेजी से बढ़ने लगे हैं।

डरा रहे हैं आंकड़े

भारत कुछ दशकों पहले तक खसरा से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में से एक रहा था, हालांकि टीकाकरण को बढ़ावा देकर इस रोग के जोखिमों को पिछले वर्षों में काफी कम कर दिया गया था। आंकड़ों के मुताबिक साल 2017 से 2021 के बीच भारत में खसरे के मामलों में 62% की गिरावट आई, इस दौरान प्रति दस लाख जनसंख्या पर 10.4 से घटकर 4 मामले रह गए थे।हालांकि कोरोना महामारी के दौरान राष्ट्रीय टीकाकरण अभियान पर भी असर देखा गया जिसमें बड़ी संख्या में बच्चे खसरे के टीके से चूक गए। लिहाजा देश के कई हिस्सों से पिछले दिनों बच्चों में खसरा के मामले बढ़ते हुए रिपोर्ट किए जा रहे हैं। इसको लेकर विशेषज्ञों की टीम ने अलर्ट किया है।

गठिया के दर्द से राहत पाने के लिए डाइट में करें ये बदलाव, जानें किन चीजों से करें परहेज

गठिया का दर्द आमतौर पर उम्रदराज लोगों में देखने को मिलती है, लेकिन खराब जीवनशैली के कारण युवा भी इसका शिकार हो रहे हैं। दिनचर्या में कुछ बदलाव करके आप इस दर्द को नियंत्रित कर सकते हैं। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं। अर्थराइटिस जिसे आमतौर पर गठिया के नाम से जाना जाता है, एक ऐसी बीमारी है जो जोड़ों को प्रभावित करती है। इस स्थिति में जोड़ों में असहनीय दर्द, सूजन और अकड़न होने लगती है, जिससे दैनिक जीवन के काम करना मुश्किल हो जाता है। हालांकि यह समस्या मुख्य रूप से बढ़ती उम्र के साथ जुड़ी हुई है, लेकिन आज की खराब जीवनशैली और खान-पान की गलत आदतों के कारण युवा भी इसका शिकार हो रहे हैं।गठिया के दर्द को कम करने और इसके लक्षणों को नियंत्रित करने में सही खान-पान एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कुछ विशेष खाद्य पदार्थ दर्द और सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं, जबकि कुछ अन्य चीजें स्थिति को और खराब कर सकती हैं। आइए इस लेख में हम उन खाद्य पदार्थों के बो में जानते हैं, जिन्हें गठिया के मरीजों को अपने आहार में शामिल करना चाहिए, साथ ही ये भी जानेंगे कि गठिया के मरीजों को किन चीजों से परहेज करना चाहिए।

डाइट में शामिल करें ये चीजें

गठिया के दर्द को कम करने के लिए एंटी-इंफ्लेमेटरी खाद्य पदार्थ डाइट में शामिल करें। हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, ब्रोकली, और केल कैल्शियम, विटामिन ड, और मैग्नीशियम से भरपूर होती हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाती हैं। बेरीज (स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी) और अनार में एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो सूजन और दर्द को कम करते हैं। फैटी फिश जैसे सैल्मन और सार्डिन में ओमेगा-3 फैटी एसिड होता है, जो जोड़ों की सूजन को कम करता है। इसके अलावा, हल्दी, अदरक, और लहसुन जैसे मसाले दर्द और सूजन से राहत दिलाते हैं। जैतून का तेल भी जोड़ों के लिए लाभकारी है।

इन चीजों से करें परहेज

गठिया के मरीजों को कुछ खाद्य पदार्थों से सख्त परहेज करना चाहिए, क्योंकि ये लक्षणों को बढ़ा सकते हैं। रेड मीट और प्रोसेस्ड मीट में सैचुरेटेड फैट गठिया के लक्षण को बढ़ा सकते हैं। चीनी युक्त खाद्य पदार्थ जैसे सोडा, कैंडी, और आइसक्रीम साइटोकाइन प्रोटीन का उत्पादन बढ़ाते हैं, जो गठिया को बदतर बना सकता है। रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट जैसे सफेद ब्रेड, मैदा, और बेकरी उत्पाद भी सूजन को ट्रिगर करते हैं। अधिक नमक का सेवन जोड़ों में सूजन और दर्द को बढ़ा सकता है। इसके अलावा आलू का सेवन भी सीमित मात्रा में करें, आलू में मौजूद सोलनिन केमिकल गठिया के दर्द को बढ़ा सकता है।

जीवनशैली में बदलाव

सही डाइट के साथ-साथ जीवनशैली में बदलाव भी गठिया के दर्द को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नियमित हल्का व्यायाम जैसे वॉकिंग, योग जोड़ों की लचक बढ़ाते हैं और अकड़न को कम करते हैं। इसके साथ ही वजन को भी नियंत्रित रखें, क्योंकि अतिरिक्त वजन जोड़ों पर दबाव डालता है। पर्याप्त पानी पीने से जोड़ों में नमी बनी रहती है। ठंडे मौसम में गर्म पानी से नहाना और गर्म सिकाई करना दर्द से राहत देता है। धूम्रपान और शराब से बचें, क्योंकि ये हड्डियों को कमजोर करते हैं और सूजन को बढ़ाते हैं।

गठिया - फोटो : ग्भीस्त्र' ड्रे

गठिया के दर्द को नियंत्रित करना संभव है, बशर्ते आप सही डाइट और जीवनशैली अपनाएं। एंटी-इंफ्लेमेटरी आहार जैसे हरी सब्जियां, बेरीज, फैटी फिश जोड़ों की सेहत को बेहतर बनाते हैं, जबकि रेड मीट, चीनी, और प्रोसेस्ड फूड से परहेज करना जरूरी है। नियमित व्यायाम, वजन प्रबंधन, और स्वस्थ आदतें गठिया के लक्षणों को कम करने में मदद करती हैं। हालांकि, कोई भी नया आहार या बदलाव शुरू करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

धनश्री से तलाक पर चहल का बयान 'शुगर डैडी' वाली टी-शर्ट का खोला राज

'मैंने धोखा नहीं दिया'

एजेंसी

नई दिल्ली। उन्होंने कहा, 'तलाक के बाद मुझे धोखेबाज कहा गया। लेकिन मैंने

जिंदगी में कभी किसी को धोखा नहीं दिया। मैं बेहद वफादार रहा हूं। शायद मैं दूसरों से ज्यादा वफादार हूं। अपने प्रियजनों के लिए मैंने हमेशा दिल से सोचा है।'भारत के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने धनश्री वर्मा से तलाक के बाद मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के साथ अपने संघर्ष के बारे में खुल कर बात की है, जिसमें उन्होंने खुलासा किया है कि उन्होंने कभी किसी को धोखा नहीं दिया और जिंदगी के इस उथल-पुथल भरे दौर में उनके मन में आत्महत्या के विचार भी आए थे। चहल ने राज शामानी पॉडकास्ट पर अपने निजी जीवन के कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं पर बात की और कहा कि तलाक का फैसला अचानक नहीं लिया गया था, बल्कि कुछ समय से इस पर विचार किया जा रहा था।उन्होंने कहा, 'तलाक के बाद मुझे धोखेबाज कहा गया। लेकिन मैंने जिंदगी में कभी किसी को धोखा नहीं दिया। मैं बेहद वफादार रहा हूं। शायद मैं दूसरों से ज्यादा वफादार हूं। अपने प्रियजनों के लिए मैंने हमेशा दिल से सोचा है।' इस 34 वर्षीय क्रिकेटर ने कहा कि तलाक के बाद वह भावनात्मक रूप से टूट चुके थे। चहल ने कहा, 'मेरे मन में आत्महत्या के विचार आते थे। मैं अपनी ज़िंदगी से उब चुका था। मैं दिन में कई बार रोता था और बस दो घंटे सोता था। ऐसा 40 दिन से भी अधिक समय तक चला। मुझे घबराहट और अवसाद के दौरे पड़ते थे। सिर्फ मेरे करीबी लोग ही जानते थे कि मैं किस दौर से गुजर रहा था।'चहल ने यह भी बताया कि उन्होंने क्रिकेट से ब्रेक लेने पर विचार किया था क्योंकि मानसिक तनाव के कारण वह ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रहे थे। उन्होंने तलाक के फैसले पर पहुंचने के संबंध में कहा कि दोनों पक्षों की बढ़ती व्यावसायिक प्रतिबद्धताओं ने इसमें अहम भूमिका निभाई। चहल ने कहा, 'ऐसा कुछ समय से चल रहा था। हमने तय किया कि जब तक हम पूरी तरह आश्वस्त नहीं हो जाते, हम सार्वजनिक रूप से कुछ नहीं कहेंगे। सोशल मीडिया पर हम एक सामान्य जोड़े की तरह दिखते थे, लेकिन समस्याएं बढ़ती जा रही थी। एक रिश्ते में समझौते की जरूरत होती है। अगर दोनों लोग हमेशा व्यस्त रहते हैं, तो दूरी आना स्वाभाविक है।'चहल ने उस दौरान फैली अफवाहों का खंडन किया और कहा कि नकारात्मक विचारों ने उन्हें अंदर तक प्रभावित किया। उन्होंने कहा, 'सिर्फ इसलिए कि आप किसी के साथ देखे जाते हैं, लोग उससे आपको जोड़ना शुरू कर देते हैं। मेरी दो बहनें हैं। मैं महिलाओं का सम्मान करना जानता हूं।' इस लेग स्पिनर ने उस बात का भी जिक्र किया जब उन्होंने अदालत में पेशी के दौरान 'अपना शुगर डैडी स्वयं बनें' लिखी टी-शर्ट पहनी थी।उन्होंने कहा, 'मैं कोई ड्रामा नहीं चाहता था, लेकिन दूसरी तरफ से कुछ हुआ। इसलिए मैंने टी-शर्ट के जरिए अपना संदेश दिया। मैंने किसी को गाली नहीं दी।' चहल ने कहा कि चुनौतियों के बावजूद तलाक के मामले को परिपक्वता और पारस्परिक सहमति से निपटाया गया। उन्होंने कहा, 'यदि दो लोगों के बीच कुछ होता है तो शांतिपूर्ण तरीके से उसका समाधान निकाला जा सकता है।' चहल वर्तमान में नॉर्थम्पटनशर के लिए काउंटी क्रिकेट खेल रहे हैं।

एटीएफ की कीमत में 3 प्रतिशत की वृद्धि, कमर्शियल एलपीजी की कीमत में 33.50 रुपये की कटौती

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क दरों में उतार-चढ़ाव के अनुरूप शुक्रवार को विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में तीन प्रतिशत की वृद्धि की गई, जबकि वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत 33.50 रुपये कम कर दी गई।

सरकारी ईंधन खुदरा विक्रेताओं के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में जेट ईंधन (एटीएफ) की कीमत 2,677.88 रुपये प्रति किलोलीटर या 2.9 प्रतिशत बढ़कर 92,021.93 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। यह देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक है। यह वृद्धि पिछले महीने 7.5 प्रतिशत (6,271.5 रुपये प्रति किलोलीटर) की भारी वृद्धि के बाद हुई है, जिससे एयरलाइनों की परिचालन लागत बढ़ गई है।अप्रैल से शुरू हुई तीन मासिक कटौतियों के बाद जुलाई में यह बढ़ोतरी हुई है। तीनों कटौतियों में कुल मिलाकर कीमतों में 12,239.17 रुपये प्रति किलोलीटर की कटौती हुई थी। इसके बाद की बढ़ोतरी (8,949.38 रुपये प्रति किलोलीटर) ने लगभग तीन-चौथाई लाभ खत्म कर दिया है।एटीएफ की कीमत में वृद्धि भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार युद्ध के बाद अंतर्राष्ट्रीय तेल कीमतों में आई तेजी के अनुरूप है। इस वृद्धि से वाणिज्यिक एयरलाइनों पर बोझ बढ़ेगा, जिनके लिए ईंधन परिचालन लागत का लगभग 40 प्रतिशत है। मूल्य वृद्धि के प्रभाव पर एयरलाइनों से तत्काल कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हो सकी।मुंबई में एटीएफ की कीमत 83,549.23 रुपये प्रति किलोलीटर से बढ़ाकर 86,077.14 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई, जबकि चेन्नई और कोलकाता में इसकी कीमत क्रमशः 95,512.26 रुपये और 95,164.90 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई। स्थानीय करों जैसे वैट के प्रभाव के आधार पर दरें शहर दर शहर अलग-अलग होती हैं। इसके साथ ही, तेल कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में 33.50 रुपये की कटौती की है। अब राष्ट्रीय राजधानी में वाणिज्यिक रसोई गैस की कीमत 1,631.50 रुपये होगी।वाणिज्यिक रसोई गैस (एलपीजी) की कीमतों में यह लगातार पाँचवीं कटौती है। पिछली बार 1 जुलाई को 19 किलोग्राम वाले सिलेंडर की कीमतों में 58.5 रुपये की कटौती की गई थी। इससे पहले, 1 जून को कीमतों में 24 रुपये, 1 मई को 14.50 रुपये और 1 अप्रैल को 41 रुपये प्रति सिलेंडर की कटौती की गई थी। कुल मिलाकर, अप्रैल से अब तक कीमतों में 171.5 रुपये प्रति सिलेंडर की कटौती हो चुकी है।

'मैं आक्रामक खिलाड़ी हूं, दबाव के बारे में अधिक नहीं सोचती', बोलीं चेस विश्व कप चैंपियन दिव्या

एजेंसी

नई दिल्ली। दिसंबर में चीन के डिंग लिरेन हराकर सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बने 18 साल के डी गुकेश के साथ समानताओं के बारे में पूछे जाने पर दिव्या ने कहा, 'मुझे लगता है कि हम दोनों का अंत तक लड़ना सबसे बड़ी समानता है।

'फिडे महिला शतरंज विश्व कप चैंपियन दिव्या देशमुख ने कहा कि वह एक आक्रामक खिलाड़ी हैं और उनके लिए दबाव अधिक मायने नहीं रखता। 19 वर्षीय दिव्या 28 जुलाई को जॉर्जिया के बातुमी में महिला विश्व कप जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनीं। उन्होंने दो भारतीय खिलाड़ियों के बीच हुए फाइनल में टाईब्रेकर में कोनेरू हम्पी को हराया।

इस जीत ने ना केवल उन्हें प्रतिष्ठित खिताब दिलाया, बल्कि उन्हें ग्रैंडमास्टर भी बना दिया।नागपुर में मीडिया से बातचीत करते हुए दिव्या ने कहा कि उनके लिए रणनीति और आक्रामक पोजिशन में जाना आसान है। दिव्या ने कहा, 'दबाव मेरे लिए अधिक मायने नहीं रखता। जो मायने रखता है वह है मेरी अपनी उम्मीदें और लक्ष्य।' अपनी आक्रामकता और मानसिक दृढ़ता के लिए पहचाने जाने वाले भारत के पूर्व दिग्गज क्रिकेट कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से अक्सर होने वाली तुलना के बारे में पूछे जाने पर दिव्या ने कहा, 'मुझे लगता है कि आक्रामकता हमेशा से मेरे खेल का हिस्सा रही है।

मेरे लिए रणनीति और आक्रामक पोजिशन अपनाना आसान है। मुझे लगता है कि यही मेरी शैली है।'दिसंबर में चीन के डिंग लिरेन हराकर सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बने 18 साल के डी गुकेश के साथ समानताओं के बारे में पूछे जाने पर दिव्या ने कहा, 'मुझे लगता है कि हम दोनों का अंत तक लड़ना सबसे बड़ी समानता है।'

पांचवें टेस्ट के बीच इंग्लैंड को तगड़ा झटका

क्रिस वोक्स चोट के कारण बाहर हुए

एजेंसी

नई दिल्ली। एटकिंसन ने बारिश से प्रभावित पहले दिन का खेल समाप्त होने

के बाद कहा, 'मैं इसके बारे में ज्यादा नहीं जानता, लेकिन यह बहुत अच्छा नहीं लग रहा है। यह बहुत निराशाजनक है।'इंग्लैंड के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन ने कहा कि उनके साथी ऑलराउंडर क्रिस वोक्स की चोट अच्छी नहीं लग रही है जो भारत के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच के पहले दिन कंधे की चोट के कारण मैदान से बाहर चले गए थे। गुरुवार को मैच के पहले दिन करुण नायर के शॉट पर बाउंड्री बचाने के प्रयास में वोक्स चोटिल हो गए थे और उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा था। अब इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने इस बात की जानकारी दी है कि वोक्स इस मैच का हिस्सा नहीं होंगे।वोक्स जब मैदान से बाहर गए तो उनका बायां हाथ स्वेटर में लिपटा हुआ था और वह दर्द से कराह रहे थे। एटकिंसन ने बारिश से प्रभावित पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा, 'मैं इसके बारे में ज्यादा नहीं जानता, लेकिन यह बहुत अच्छा नहीं लग रहा है। यह बहुत निराशाजनक है। यह सीरीज का आखिरी मैच है और जब कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाता है तो अच्छा नहीं लगता है। मुझे उम्मीद है कि सब कुछ ठीक होगा।वोक्स ने मौजूदा टेस्ट में अब तक 14 ओवर गेंदबाजी की है और 46 रन देकर केएल राहुल का महत्वपूर्ण विकेट लिया है। वोक्स की चोट ने इंग्लैंड की चिंता बढ़ा दी है जिसे कुछ प्रमुख खिलाड़ियों की सेवाएं नहीं मिल रही हैं, जिनमें कप्तान बेन स्टोक्स भी शामिल हैं, जो कंधे की चोट के कारण इस मैच में नहीं खेल रहे हैं।एटकिंसन ने पहले दिन 19 ओवरों में दो विकेट लिए और वह वोक्स की अनुपस्थिति में जिम्मेदारी संभालने के लिए आश्वस्त दिखे। उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। मैं जानता हूं कि मुझे केवल एक ही मैच खेलना है, इसलिए मैं अपनी सीमाओं को थोड़ा बढ़ा सकता हूं।'ओवल टेस्ट के पहले दिन 64 ओवर का खेल ही हो पाया। बारिश से बाधित रहे इस दिन में भारतीय टीम ने दिन का खेल खत्म होने तक छह विकेट पर 204 रन बना लिए हैं। करुण नायर 52 रन और वॉशिंगटन सुंदर 19 रन बनाकर नाबाद हैं। दोनों के बीच अब तक 51 रन की साझेदारी हो चुकी है। यह करुण के टेस्ट करियर का दूसरा 50+ स्कोर है। इससे पहले उन्होंने दिसंबर 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ ही नाबाद 303 रन की पारी खेली थी। इसके बाद उनकी यह पहली 50+ रन की पारी है। इससे पहले यशस्वी जायसवाल दो रन और केएल राहुल 14 रन बनाकर आउट हुए थे। कप्तान शुभमन गिल 21 रन बनाकर रन आउट हुए। साई सुदर्शन 38 रन बना सके। रवींद्र जडेजा नौ रन और ध्रुव जुरेल 19 रन बनाकर आउट हुए। इंग्लैंड की ओर से गस एटकिंसन और जोश टंग ने अब तक दो-दो विकेट लिए हैं। वहीं, क्रिस वोक्स को एक विकेट मिला। वोक्स को कंधे में चोट लगी और वह दर्द से खेल के बीच में ड्रेसिंग रूम में वापस लौट गए थे।

कोको गॉफ की एक और संघर्षपूर्ण जीत, अंतिम 16 में पहुंचीं, कुदेरमेतोवा को हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। पिछले दौर में हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी डेनियल कोलिंस के खिलाफ 23 डबल-फॉल्ट और तीसरे सेट के टाईब्रेकर से बचने के दो दिन बाद शीर्ष वरीयता प्राप्त गॉफ ने कुदेरमेतोवा को 4-6, 7-5, 6-2 से पराजित किया।कोको गॉफ को फिर से अपनी सर्विस पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ा लेकिन 14 डबल-फॉल्ट करने के बावजूद वह रूस की वेरोनिका कुदेरमेतोवा को तीन सेट तक चले मुकाबले में हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के अंतिम 16 में पहुंचने में सफल रही।पिछले दौर में हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी डेनियल कोलिंस के खिलाफ 23 डबल-फॉल्ट और तीसरे सेट के टाईब्रेकर से बचने के दो दिन बाद शीर्ष वरीयता प्राप्त गॉफ ने कुदेरमेतोवा को 4-6, 7-5, 6-2 से पराजित किया। गॉफ का मुकाबला अब कनाडा की 18 वर्षीय खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको से होगा, जिन्होंने चेक गणराज्य की की मैरी बोजकोवा को 1-6, 6-3, 6-0 से हराया।अमेरिका की मैककार्टनी केसलर ने चौथी वरीयता प्राप्त रूस की मीरा एंड्रीवा को 7-6 (5), 6-4 से हराकर उलटफेर किया।

भारत पर ट्रंप के टैरिफ पर यूएस मीडिया में किसने क्या लिखा

'अनावश्यक व्यापारिक टकराव की शुरूआत'

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत से आयातित चुनिंदा उत्पादों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने की घोषणा ने अमेरिकी व्यापार विशेषज्ञों, मीडिया और उद्योग संगठनों के बीच एक नई बहस को जन्म दे दिया है। इसे जहां कुछ हलकों में ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट नीति के तार्किक विस्तार के रूप में देखा जा रहा है, वहीं कई अर्थशास्त्रियों और मीडिया के बड़े वर्ग ने इसे अनावश्यक व्यापारिक टकराव की शुरूआत बताया है, जो भारत जैसे रणनीतिक साझेदार के साथ संबंधों को चुनौती में डाल सकता है।

एक तरह से यह आर्थिक युद्ध का एलान है, जिसके दूरगामी परिणाम अच्छे नहीं होंगे।वॉशिंगटन पोस्ट के स्तंभकार डेविड इग्नेशियस ने लिखा कि ट्रंप प्रशासन बार-बार सहयोगियों को भी उसी कठोर लाठी से हांकने की गलती कर रहा है, जिससे वह प्रतिद्वंद्वियों को नियंत्रित करना चाहता है। भारत के खिलाफ यह कदम, उस वक्त जब चीन और रूस के बीच गठजोड़ बढ़ रहा है, रणनीतिक रूप से अमेरिका के लिए नुकसानदेह हो सकता है। अखबार ने यह भी आगाह किया कि इस फैसले से भारतीय संसद में अमेरिका-विरोधी भावनाएं तेज हो सकती हैं और वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) में अमेरिकी प्रभाव को चुनौती मिल सकती है।न्यूयॉर्क टाइम्स का कहना है कि यह

आर्थिक रणनीति नहीं, बल्कि भू-राजनीतिक सख्ती है।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने इस निर्णय की तीखी आलोचना करते हुए लिखा है कि ट्रंप प्रशासन का यह कदम विशुद्ध रूप से राजनीतिक है, जो नवंबर 2026 के अमेरिकी मध्यावधि चुनावों से पहले घरेलू औद्योगिक लॉबी को साधने का प्रयास है। अखबार ने कहा कि भारत से आयातित फार्मास्युटिकल्स, ऑटो पार्ट्स और इंजीनियरिंग गुड्स पर टैरिफ बढ़ाने से अमेरिकी चिकित्सा और विनिर्माण उद्योगों की लागतों में अप्रत्याशित वृद्धि हो सकती है।ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया कि भारत को चीन से इतर एक स्थिर और लोकतांत्रिक आपूर्ति श्रृंखला साझेदार मानते हुए अब तक अमेरिका ने सतर्क व्यापार नीति अपनाई थी। लेकिन 25% टैरिफ भारत को दक्षिण एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया में अन्य बाजारों की ओर मोड़ सकता है। रिपोर्ट में विशेषज्ञों के हवाले से लिखा गया है कि यह कदम अमेरिका के लिए लॉन्ग टर्म स्ट्रैटेजिक लॉस में बदल सकता है।ट्रंप के इस फैसले को अमेरिका-भारत संबंधों में एक मजबूत दोस्त से आर्थिक प्रतिद्वंद्वी की ओर रुख करने के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि अभी भारत की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन अमेरिकी मीडिया और थिंक टैंक इस बात को लेकर लगभग एकमत हैं कि यह फैसला अल्पकालिक राजनीतिक फायदे के लिए दीर्घकालिक कूटनीतिक साझेदारी को खतरे में डाल सकता है, इसलिए आर्थिक युद्ध के इस एलान को समय रहते दुरुस्त किया जाना चाहिए।वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अपने संपादकीय में सवाल उठाया कि यदि अमेरिका चीन से दूरी बना रहा है और अब भारत से भी व्यापार संबंधों में तनाव ला रहा है, तो वह वैश्विक सप्लाई चेन में किस पर भरोसा करेगा? रिपोर्ट में अमेरिकी व्यापार परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स डनहम के हवाले से लिखा गया कि, भारत जैसे लोकतांत्रिक और तेजी से बढ़ते हुए बाजार को दरकिनार करना एक रणनीतिक भूल हो सकती है।यूएसए टुडे और लॉस एंजिल्स टाइम्स ने ट्रंप के फैसले को घरेलू राजनीति से प्रेरित और रणनीतिक दृष्टिकोण से संकुचित कदम बताया। यूएसए टुडे ने लिखा कि फैसला अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए महंगाई बढ़ाने वाला हो सकता है। खासकर जेनेरिक दवाओं और ऑटो पार्ट्स के क्षेत्र में, जबकि लॉस एंजिल्स टाइम्स ने इसे ऐसे सहयोगी को किनारे लगाने की गलती बताया, जो चीन के प्रभाव को संतुलित करने में अमेरिका का स्वाभाविक भागीदार है। दोनों अखबारों ने चेताया कि टैरिफ नीति भारत के साथ दशकों से चले आ रहे भरोसे को कमजोर कर सकती है और अमेरिका की वैश्विक नेतृत्व क्षमता पर सवाल खड़े कर सकती है।

ब्रुकिंग्स इंस्टीट्यूशन के वरिष्ठ शोधार्थी जोनाथन हार्डिंग ने कहा कि भारत पर पहले से ही नॉन-मॉनेटरी ट्रेड बैरियर्स जैसे तकनीकी अनुपालन, पेटेंट बाध्यताएं और एफडीए अनुमोदन जैसी जटिलताएं लागू हैं। ऐसे में अतिरिक्त टैरिफ लगाना ओवर-कंपेन्सेशन है, जिससे द्विपक्षीय व्यापार में असंतुलन बढ़ेगा और भारत में एंटी-अमेरिकन व्यापारिक भावनाएं प्रबल हो सकती हैं।

अल साल्वाडोर में राष्ट्रपति चुनाव के नियमों में बड़े बदलाव

एजेंसी

नई दिल्ली। अल साल्वाडोर में राष्ट्रपति नायिब बुकेले की पार्टी ने सांविधानिक बदलाव कर राष्ट्रपति को अनिश्चितकाल के लिए कई बार चुनाव लड़ने और छह साल के कार्यकाल की अनुमति दी है। यह प्रस्ताव नेशनल असेंबली में भारी बहुमत से पास हुआ, जहां विपक्ष ने इसे लोकतंत्र के लिए खतरा बताया। बुकेले का वर्तमान कार्यकाल भी दो साल पहले खत्म करने का सुझाव दिया गया है, जिससे वह जल्दी नए चुनाव लड़ सकेंगे।अल साल्वाडोर के राष्ट्रपति नायिब बुकेले की सत्तारूढ़ पार्टी ने एक बड़े सांविधानिक नियम में बदलाव किया है। इससे अब अनिश्चितकाल तक राष्ट्रपति दोबारा चुने जा सकते हैं। इसके साथ ही राष्ट्रपति का कार्यकाल पांच से बढ़ाकर छह साल कर दिया गया है। 'फ्रांस 24' की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। सत्तारूढ़ 'न्यू आइडियाज' पार्टी की सांसद एना फिगुएरोआ ने नेशनल असेंबली में इस प्रस्ताव को पेश किया था, जिसे जल्दी ही मंजूरी मिल गई। बुकेले की पार्टी नेशनल असेंबली में भारी बहुमत के साथ है। 57 सांसदों ने प्रस्ताव के पक्ष में और केवल तीन ने इसके विरोध में मतदान किया। रिपोर्ट के अनुसार, ये बदलाव संविधान के पांच अनुच्छेदों को प्रभावित करते हैं। फिगुएरोआ ने इन बदलावों का बचाव करते हुए कहा कि अब तक सांसद और मेयर तो बार-बार चुने जा सकते थे, लेकिन राष्ट्रपति को दोबारा चुनने की इजाजत नहीं थी। अब राष्ट्रपति को भी वैसा ही मौका मिलेगा।एक

अन्य महत्वपूर्ण प्रस्ताव में फिगुएरोआ ने राष्ट्रपति का वर्तमान कार्यकाल दो साल पहले ही खत्म करने का सुझाव दिया, जो एक जून 2029 तक था। यानी अब यह कार्यकाल एक जून 2027 को खत्म होगा। इससे राष्ट्रपति और संसदीय चुनाव एक साथ कराए जा सकेंगे और बुकेले को जल्दी नए छह साल के कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ने का मौका मिलेगा।हालांकि, विपक्ष ने इस फैसले की आलोचना की है। विपक्षी पार्टी नेशनलिस्ट रिपब्लिकन अलायंस (एरेना) की सांसद मासेर्ला विलेटोरो ने कहा, अल साल्वाडोर में लोकतंत्र की मौत हो गई है। मासेर्ला विलेटोरो ने इस प्रस्ताव के खिलाफ वोट दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर किसी को बार-बार लगातार राष्ट्रपति बनने दिया जाए, तो इससे सारी सत्ता एक ही इंसान के हाथ में केंद्रित हो जाती है। इससे लोकतंत्र कमजोर हो सकता है और देश में भ्रष्टाचार बढ़ सकता है। इससे भाई-भतीजावाद बढ़ता है और आम लोगों की राजनीति में भागीदारी कम हो जाती है।बुकेले ने पिछले साल दोबारा चुनाव जीता था।

बाल सुरक्षा मामले में एक्स की अपील खारिज, कानूनी खर्च भुगतान का निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की एक अपील कोर्ट ने बृहस्पतिवार को अरबपति एलन मस्क के स्वामित्व वाली कंपनी एक्स कॉर्प के खिलाफ फैसला सुनाते हुए याचिका खारिज कर दी। अदालत ने एक्स के प्लेटफॉर्म पर व्यापक बाल शोषण सामग्री से निपटने के तरीके के बारे में विस्तृत जानकारी मांगने को चुनौती देने वाली याचिका को अनुचित बताते हुए सुनवाई से बाहर कर दिया।न्यायाधीशों ने एक्स को आयुक्त की कानूनी लागत का भुगतान करने का भी आदेश दिया। तीन संघीय अदालत के न्यायाधीशों ने पिछले साल अक्तूबर में संघीय अदालत के उस फैसले के खिलाफ एक्स की अपील को सर्वसम्मति से खारिज कर दिया था, जिसमें कंपनी को ई-सेफ्टी आयुक्त जूली इनमैन ग्रांट के एक्स पर साझा बाल शोषण सामग्री के बारे में दिए गए नोटिस का जवाब देने के लिए बाध्य किया गया था। यह कंपनी टेक्सास में निगमित है। इनमैन ग्रांट का कार्यालय खुद को दुनिया की पहली सरकारी एजेंसी बताता है जो लोगों को ऑनलाइन सुरक्षित रखने के लिए समर्पित है।

चीन ने एनवीडिया को किया तलब, 20 चिप्स में बैकडोर सुरक्षा जोखिमों को लेकर उठाए सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। चीन के साइबर स्पेस नियामकों ने बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को अमेरिका की चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया को तलब किया है। चीन ने एनवीडिया की एच20 चिप्स को लेकर सुरक्षा की चिंता जताई है। चीन का कहना है कि इन चिप्स को दूर से ट्रैक या बंद किया जा सकता है। यह जानकारी चीन के साइबरस्पेस प्रशासन ने अपनी वेबसाइट पर दी है।बैठक में, चीनी नियामकों ने एनवीडिया से चीन में बेचे जाने वाले अपने एच20 चिप्स के 'बैकडोर सुरक्षा जोखिमों' पर स्पष्टीकरण देने और संबंधित सामग्री प्रस्तुत करने की मांग की है। इस पर एनवीडिया के प्रवक्ता ने कहा, 'साइबर सुरक्षा हमारे लिए महत्वपूर्ण है। एनवीडिया के चिप्स में ऐसे कोई बैकडोर नहीं हैं, जिनसे किसी को भी उन तक पहुंचने या उन्हें नियंत्रित करने का दूरस्थ तरीका मिल सके।'यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब अमेरिका ने एनवीडिया को चीन में फिर से एच20 चिप्स बेचने की अनुमति दी है। करीब दो सप्ताह पहले ही अमेरिका ने इन चिप्स की बिक्री पर लगी रोक हटाई थी। एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग ने इस महीने की शुरूआत में बीजिंग में बड़ी घोषणा की थी। अब यह मामला अमेरिका और चीन के बीच टेक्नोलॉजी की होड़ को और बढ़ा सकता है। दोनों देश अब एक-दूसरे की कंपनियों को लेकर सतर्क हो गए हैं, खासकर राष्ट्रीय सुरक्षा और बाजार की पहुंच के मामलों में। अगर चीन की सुरक्षा चिंताएं बनी रहीं, तो एच20 चिप्स की चीन में बिक्री रुक सकती है। चीन का कहना है कि उन्हें अमेरिकी अकविशेषज्ञों से जानकारी मिली है कि एनवीडिया ने ऐसी तकनीक बनाई है, जिससे चिप्स को ट्रैक और दूर से बंद किया जा सकता है।चीनी अधिकारियों ने एनवीडिया को चीन के कानूनों के अनुसार, काम करने और चीन के यूजर्स की डेटा सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा है। चीन के बयान में यह भी कहा गया है कि अमेरिकी सांसद चाहते हैं कि विदेशों में बेची गई चिप्स में ट्रैकिंग तकनीक जरूरी की जाए। इस साल मई में दो अमेरिकी सांसदों ने एक बिल पेश किया था, जिसमें कहा गया था कि उन्नत चिप्स में सुरक्षा फीचर होना चाहिए ताकि तस्करी या गलत इस्तेमाल को रोका जा सके। हालांकि, यह कानून अभी पास नहीं हुआ है।

'भारत का रूस से तेल खरीदना ही परेशानी की वजह नहीं...'

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि भारत, रूस से तेल खरीद रहा है, जिससे रूस को आर्थिक मदद मिल रही है और यूक्रेन में युद्ध जारी है। मार्को रुबियो ने कहा कि भारत के साथ परेशानी की ये सबसे बड़ी वजह है, लेकिन इसके अलावा भी कई अन्य वजह हैं।एक अमेरिकी मीडिया संस्थान के साथ इंटरव्यू में मार्को रुबियो ने दावा किया कि राष्ट्रपति ट्रंप, इस बात से बेहद नाराज हैं कि भारत, रूस से लगातार तेल की खरीद कर रहा है, जबकि भारत के पास तेल खरीदने के लिए कई अन्य विकल्प मौजूद हैं। लेकिन रूस से तेल खरीदकर भारत, रूस की यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में मदद कर रहा है। रुबियो ने कहा कि 'भारत को अपनी अर्थव्यवस्था के लिए ऊर्जा की बहुत ज्यादा जरूरत है। ऐसे में भारत, रूस से तेल खरीद रहा है क्योंकि रूस का तेल प्रतिबंधों के चलते सस्ता है। कई मामलों में रूस वैश्विक तेल की कीमतों से कम पर भी तेल बेच रहा है। लेकिन दुर्भाग्य से इससे रूस को यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई जारी रखने में मदद मिल रही है। इसलिए ये सबसे अहम वजह है, जिससे हमें परेशानी है, लेकिन ये सिर्फ इकलौती वजह नहीं हैं। हमारे बीच कुछ अन्य मुद्दे भी हैं, जिन पर असहमति है।'भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर बातचीत जारी है, लेकिन एक मुद्दे पर दोनों देशों के बीच सहमति नहीं बन पा रही है। दरअसल भारत, अमेरिका के लिए अपने कृषि और डेयरी उद्योग को खोलने के लिए तैयार नहीं है, जबकि अमेरिका इसके लिए दबाव बना रहा है।

कव्वाली के साथ सम्पन्न हुआ चारो पीर बाबा का रिवायती उर्स

गोरखपुर। तकिया कवलदह, पानी की टंकी (सूर्य बिहार), रसूलपुर में चारो पीर बाबा रहमतुल्लाह

अलैह का उर्स कव्वाली के बीच अकीदत के साथ सम्पन्न हो गया। उर्स के मौके पर चादर व गागर का जुलूस सूरजकुंड कालोनी सातो बाबा के आस्ताने से ऑल इण्डिया उर्स कमेटी के अध्यक्ष मुहम्मद रजा लड्डन खान, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष असरार आलम, प्रमुख महासचिव मुर्तजा हुसैन रहमानी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सैयद रेहान मारुफी एवं इंतजार अहमद गुड्डू की अगुवाई में निकला। यह जुलूस विभिन्न रास्तों से होता हुआ। चारो पीर बाबा की मजार तकिया कवलदह पर पहुंचा। वहां पर चादर व गागर पेशकर सभी के खुशहाली की दुआएं मांगी गयी, अकीदतमंदों ने दरगाह पर चादर चढ़ाई। उसके बाद कार्यक्रम का आगाज फैसल जानी की कव्वाली से हुआ। जो देर रात तक कव्वाली का सिलसिला चलता रहा। अकीदतमंदों ने चारो पीर बाबा के मजार पर चादर पेशकर अमन व शांति की दुआएं और मन्नतें मांगी। इस मौके पर सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस जवान मुस्तैद रहे। चारो पीर बाबा मजार के सेवक मुहम्मद रेहान खान ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी दो दिवसीय उर्स का भव्य आयोजन किया गया। जिसमे पहले दिन कुरान ख्वानी के बाद लंगर का इंतजाम किया गया था। उर्स के मौके पर ऑल इण्डिया उर्स कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुहम्मद रजा लड्डन खान ने कहा कि चारो पीर बाबा के चाहने वाले उर्स में शामिल होकर अपना अकीदत पेश करते हैं। उन्होंने कहा कि दरगाहों, खानकाहों और मकबरों पर जाने से दिली राहत व सुकून मिलता है। उर्स के अवसर पर ऑल इण्डिया उर्स कमेटी के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष असरार आलम ने कहा कि चारो पीर बाबा के उर्स में सभी धर्म और मजहब के लोग शामिल होते हैं। उन्होंने कहा कि जो भारतीय संस्कृति की एकता व भाईचारा की अपनी एक विरासत होती है। इस मौके पर चारो पीर बाबा के सेवक मुहम्मद रेहान खान ने सभी जायरीनों और अकीदतमंदों का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि चारो पीर बाबा सभी के लिए हैं। उर्स में मुख्य रूप से मुहम्मद रेहान, असरार आलम, मुर्तजा हुसैन रहमानी, मुहम्मद रजा लड्डन खान, रेहान मारुफी, अजमतउल्लाह अशरफी, साहिल, इमरान, इंतजार अहमद गुड्डू, अफरोज खान, अब्दुल कय्यूम, रेहान, आमिर हुसैन, मुहम्मद हसन, गुड्डू खान, सेराज सलीम, शेर अली, मुहम्मद रहमान, शेर अली, दिलशाद, उजैर अंसारी, मुहम्मद तहसीन सहित बड़ी संख्या में जायरीन व अकीदतमंद शामिल थे।

पीएम किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त का लाइव प्रसारण ब्लॉक मुख्यालयों पर देखा गया

गाजीपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वाराणसी से पीएम किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त के वितरण एवं विकास योजनाओं के शिलान्यास-लोकार्पण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण जिले के सभी ब्लॉक मुख्यालयों पर एलईडी टीवी के माध्यम से देखा गया। करंडा ब्लॉक में भाजपा जिला कोषाध्यक्ष अच्छेलाल गुप्ता, मीडिया प्रभारी शशिकांत शर्मा एवं मंडल अध्यक्ष राणा प्रताप सिंह की उपस्थिति में कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा गया। इस अवसर पर श्री गुप्ता ने कहा कि अब तक किसानों के खातों में करीब पौने चार लाख करोड़ रुपये भेजे जा चुके हैं। वहीं श्री शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार जो कहती है, वो करती है। कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी सुवेदिता सिंह सहित कई अधिकारी और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यातायात व्यवस्था सुधारने को लेकर चला सघन अभियान, 1051 वाहनों का चालान, 51,500 जुर्माना वसूला

गोरखपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निदेशानुसार पुलिस अधीक्षक यातायात श्री संजय कुमार के नेतृत्व में शनिवार को शहर में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़

करने और सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान टीआई श्री मनोज कुमार राय, टीआई श्री अजीत कुमार पांडेय और यातायात उपनिरीक्षकों की संयुक्त टीम द्वारा कई स्थानों पर कार्यवाही की गई।

नो पार्किंग जोन में कार्रवाई

पैडलेंगज चौराहा से ट्रांसपोर्ट नगर चौराहा तक नो पार्किंग क्षेत्र में खड़े वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान 05 चार पहिया वाहनों को क्रेन की सहायता से हटाकर विधिक कार्यवाही की गई, जबकि 91 चार पहिया और 197 दोपहिया वाहनों का मौके पर चालान किया गया।

अतिक्रमण हटाओ अभियान

मोहद्दीपुर चौराहा से कूड़ाघाट तिराहा तक नगर निगम के प्रवर्तन दल, यातायात पुलिस और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान चलाया गया। ठेला-खोमचा और अन्य अवैध अतिक्रमण को हटाया गया, तथा 09 दुकानदारों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की गई।

लिंक एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार पर नजर

एडीजी महोदय के आदेश पर लिंक एक्सप्रेस-वे पर स्पीड राडार गन से वाहनों की गति की निगरानी की जा रही है। अधिक गति से वाहन चलाने वालों को चेतावनी दी गई है कि यदि गति नियंत्रित नहीं की गई तो 03 दिन बाद चालान की कार्रवाई प्रारंभ की जाएगी।

कुल कार्रवाई का ब्यौरा

दिनभर चले इस विशेष अभियान में कुल 1051 वाहनों का चालान कर यातायात अधिनियम की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत 51,500 का शमन शुल्क वसूला गया। यातायात विभाग द्वारा यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा, ताकि शहर की सड़कों को सुरक्षित और अनुशासित बनाया जा सके।

पत्रकारों का सम्मान और सुरक्षा हमारा पहला कर्तव्य:डा. सतीश

संगठन के सभी सदस्यों के भरे गए पत्रकार सुरक्षा प्रपत्र

गोरखपुर। पत्रकारों की सुरक्षा और उनका सम्मान हमारी पहली प्राथमिकता है। प्रिन्ट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, डिजिटल मीडिया और सोशल मीडिया के पत्रकारों के देश भर के संगठनों को साथ लेकर चलने वाले भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार समन्वय समिति एवं सोशल मीडिया पत्रकार महासंघ इस दिशा में तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। उक्त बातें संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष डॉक्टर सतीश चन्द्र शुक्ला ने अपने सम्बोधन में कहीं। वे गोरखपुर के झरखंडी वार्ड स्थित आरएसएम पब्लिक स्कूल के प्रांगण में संगठन की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में अध्यक्ष पद से बोलते हुए आशीष कुमार मिश्रा ने कहा कि हर पत्रकार का दर्द मालुम है और हम उस दर्द की दवा संगठन में पत्रकारों की एकता लाकर दे रहे हैं। इस अवसर पर पत्रकारों के सुरक्षा प्रपत्र भरवाए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष आशीष कुमार मिश्रा ने की और सफल संचालन तहसील अध्यक्ष बबलू कुमार प्रजापति ने किया। कार्यक्रम में दीपनारायण मणि त्रिपाठी का सम्मान किया गया। इसमें अमीय नाथ मिश्रा, चंद्रेश कुमार, सिमरजीत सिंग, विश्वनाथ उपाध्याय सहित अनेक पत्रकार और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गोरखपुर में आनंदमार्ग जागृति सेमिनार का दूसरा दिन सम्पन्न

गोरखपुर। दक्षिणी बेतियाहाता स्थित आनंदमार्ग जागृति में चल रहे तीन दिवसीय सेमिनार के दूसरे दिन "प्राणधर्म एवं मानव शरीर एक जैविक यंत्र" विषय पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। मुख्य वक्ता आचार्य मेघदीपानंद अवधूत ने मानव, पशु और वनस्पति मन के बीच अंतर को प्रभावशाली तरीके से समझाया।

उन्होंने कहा कि ब्रह्मोपलब्धि ही मानव जीवन का अंतिम लक्ष्य है। सेमिनार में आचार्य राघवानंद, आनंदवेदिता आचार्या, भुक्ति प्रधान संजय कुमार श्रीवास्तव सहित पूर्वांचल के विभिन्न जिलों से लगभग 200 आनंदमार्गियों ने भाग लिया।

"नमन राजीव" में दी गई डॉ. राजीव केतन को भावांजलि

गोरखपुर। पुरवाई कला, गोरखपुर की ओर से शनिवार को होटल ब्लैक हार्स में संस्था के संस्थापक डॉ. राजीव केतन की पाँचवीं पुण्यतिथि पर कार्यक्रम "नमन राजीव" आयोजित हुआ। कार्यक्रम में भावांजलि, भजन संध्या, संगोष्ठी और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। विषय था-"भारतीय लोक कलाओं के विस्तार में पूर्वांचल का योगदान", जिसमें "पुरवाई कला सम्मान" और "राजीव केतन स्मृति सम्मान-2025" भी प्रदान किए गए। वक्ताओं ने डॉ. केतन के साहित्य, संस्कृति और समाज में योगदान को याद कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

"सन ऑफ सरदार 2" की स्क्रीनिंग में दिखा देसी जज्बा और दमदार एक्शन का जलवा

गोरखपुर। सिटी मॉल स्थित मल्टीप्लेक्स में आज बहुप्रतीक्षित फिल्म ह्यसन ऑफ सरदार 2 की विशेष स्क्रीनिंग का आयोजन किया गया, जिसमें शहर के तमाम पत्रकार, फिल्म समीक्षक और सिनेप्रेमी बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस फिल्म में अजय देवगन और रवि किशन की जोड़ी ने एक बार फिर से दर्शकों का दिल जीत लिया। फिल्म की कहानी देशभक्ति, पारिवारिक मूल्यों और सामूहिक संघर्ष की थीम पर आधारित है, जो हर वर्ग के दर्शकों को जोड़ती है। फिल्म की शुरूआत एक जोरदार एक्शन सीन से होती है, जो दर्शकों को अपनी सीट से बांधे रखती है। रवि किशन का किरदार इस बार और भी परिपक्व, जोशीला और प्रभावशाली नजर आता है, जबकि अजय देवगन अपनी करिश्माई उपस्थिति और सहज अदाकारी से पूरी फिल्म में छाए रहते हैं। डायलॉग्स की बात करें तो "हम सरदार हैं, लेकिन चुप नहीं रह सकते जब अन्याय होता है" जैसे संवादों पर सिनेमाघर तालियों और सीटियों से गूंज उठा। खासतौर पर रवि किशन द्वारा बोले गए ग्रामीण-संस्कृति से जुड़े डायलॉग्स ने दर्शकों के दिल को छू लिया। निर्देशक ने इस बार कहानी को परंपरागत ढांचे से हटाकर एक आधुनिक और सशक्त परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत किया है। एक्शन कोरियोग्राफी, कैमरा वर्क और बैकग्राउंड म्यूजिक फिल्म को और भी दमदार बनाते हैं। उत्तर भारतीय संस्कृति की झलक और लोकभावना फिल्म को खास बनाती है। करीब 2 घंटे 20 मिनट की यह फिल्म न केवल मनोरंजन प्रदान करती है, बल्कि "परिवार, परंपरा और प्रतिकार" जैसे गहरे सामाजिक संदेश भी देती है। युवा दर्शकों से लेकर पारिवारिक दर्शकों तक, ह्यसन ऑफ सरदार 2 एक प्रेरणादायक और रोमांचकारी अनुभव बन कर उभरती है।

मुठभेड़ में घायल हुए चेन व मोबाइल लूट के दोनों आरोपी, असलहे समेत गिरफ्तार

गोरखपुर। गीडा थाना क्षेत्र के कालेसर स्थित एक ढाबे पर 31 जुलाई को हुई चेन व मोबाइल लूट की घटना में शामिल दोनों आरोपी पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गए। बीती रात वाहन चेकिंग के दौरान संदिग्ध बाइक सवारों ने पुलिस टीम पर फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस की कार्रवाई में दोनों को गोली लगी। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मौके से लूटी गई चेन, मोबाइल, एक बाइक, दो तमंचे, तीन जिंदा व एक खोखा कारतूस बरामद किए।

गिरफ्तार युवकों की पहचान अश्विनी और शिवा के रूप में हुई है, जिनका आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अपराधियों के खिलाफ अभियान और सख्त किया जा रहा है।

मुंशी प्रेमचंद जयंती समारोह में भावपूर्ण नाट्य मंचन

गोरखपुर। श्री चित्रगुप्त मंदिर सभा, बक्शीपुर द्वारा मुंशी प्रेमचंद जयंती समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में गोरखपुर के महापौर डॉ. मंगेश श्रीवास्तव बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रेमचंद जी की प्रसिद्ध कहानी ह्यमूठ पर आधारित एक सशक्त नाट्य मंचन प्रस्तुत किया गया, जिसका निर्देशन श्री सुधीर कुमार श्रीवास्तव ने किया। भावनात्मक प्रस्तुति ने दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया और समाज की सच्चाइयों को सशक्त रूप से मंच पर उतारा। कार्यक्रम में सम्मान समारोह भी आयोजित हुआ, जिसमें हिंदी साहित्य के प्रति समर्पित व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया। समारोह ने यह सिद्ध किया कि हिंदी साहित्य की धरोहर आज भी समाज को जोड़ने और दिशा देने का कार्य कर रही है।

लखनऊ में संपन्न हुआ छठा ताइक्वांडो हॉल ऑफ फेम, खिलाड़ियों व गुरुओं को मिला सम्मान

लखनऊ। राजधानी के हलवासिया कोर्ट, हजरतगंज में भारत में ताइक्वांडो की 49 वर्षों की यात्रा को समर्पित छठा ताइक्वांडो हॉल ऑफ फेम भव्य रूप से आयोजित हुआ। कार्यक्रम में देशभर के ताइक्वांडो खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और ग्रैंडमास्टर्स को सम्मानित किया गया। इस ऐतिहासिक आयोजन के सूत्रधार डॉ. जी.एम. जिमी आर. जगतियानी रहे, जिन्हें भारत में ताइक्वांडो का जनक माना जाता है। मुख्य अतिथि एमएलसी और ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष पवन सिंह चौहान ने युवाओं में आत्मबल और अनुशासन बढ़ाने के लिए ऐसे आयोजनों को आवश्यक बताया। सम्मान स्वरूप डिप्लोमा, विशेष पदक, टाई और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। आयोजन ने ताइक्वांडो बिरादरी को एक नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की। आयोजकों ने घोषणा की कि 2026 में इस खेल की स्वर्ण जयंती को और भी भव्य रूप से मनाया जाएगा।

"नशा छोड़ो हिंदुस्तानियों" पैदल पदयात्रा-एक जनजागरण का संकल्प

प्रयागराज। रविवार को प्रयागराज यमुनापार की 264 बारा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत घूरपुर में "नशा छोड़ो हिंदुस्तानियों" पदयात्रा का सफल आयोजन किया गया। यह पदयात्रा समाज में बढ़ते नशाखोरी के चलन के विरुद्ध एक जागरूकता अभियान रही, जिसका उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभाव से बचाना और समाज में संयमित एवं स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना रहा। यात्रा की शुरूआत राष्ट्रभक्ति नारों और जनसमूह की सक्रिय भागीदारी के साथ हुई। "नशा मुक्त भारत—हमारा संकल्प", "जागो युवा—बचाओ भविष्य" जैसे नारे जनमानस को प्रेरित करते रहे। पदयात्रा ने घूरपुर क्षेत्र के कई मार्गों से गुजरते हुए नशा मुक्ति का संदेश दिया। इस अवसर पर भाजपा नेता श्री रमाकांत विश्वकर्मा, जिला पंचायत सदस्य श्री सुरेंद्र सिंह पटेल, श्री सुबोध जायसवाल, श्री आनंद पांडेय, श्री राजू पासी, श्री भानु मिश्रा, श्री अमित पासी, श्री मिश्रीलाल केसरवानी, श्री धर्मराज कोटार्य, श्री आनंद कुमार पांडेय, श्री राजेश कोल, श्री राजनाथ विंद, श्री गोपाल चंद्र केसरवानी, श्री सनी सिंह ठाकुर, श्री योगेंद्र, श्री रवि पासी, श्री वीकू सोनकर, श्री दीपेश कुमार पासी, नीरज सोनकर, श्री मंगला प्रसाद विंद, डॉ दिनेश पासी, श्री रामसूचित गोलू, श्री रवि कुमार साहू एवं श्री देवराज सिंह सहित अनेक गणमान्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक और मार्गदर्शक विभव नाथ भारती, पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा, यमुनापार प्रयागराज ने इसे जनचेतना का आंदोलन बताया और सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

Massive Traffic Drive in Gorakhpur: 1051 Vehicles Challaned, 51,500 Collected in Fines

Gorakhpur | Following the directions of the Senior Superintendent of Police, a major traffic enforcement campaign was carried out on Saturday under the leadership of Traffic Superintendent of Police Mr. Sanjay Kumar. The drive aimed to ensure smooth traffic flow and prevent road accidents across the city. The campaign was conducted jointly by Traffic Inspectors Mr. Manoj Kumar Rai and Mr. Ajit Kumar Pandey, along with traffic sub-inspectors.

Anti-Parking Operation from Padlenj to Transport Nagar

To ensure hassle-free movement for the general public, a joint operation was launched from Padlenj Chauraha to Transport Nagar Chauraha against vehicles parked in no-parking zones."As part of the action:

5 four-wheelers were towed using cranes and legal action was taken

91 four-wheelers and 197 two-wheelers were challaned on the spot

Encroachment Removal Drive from Mohaddipur to Kudaghat

In a coordinated effort involving the Municipal Corporation's enforcement team, traffic police, and local police, illegal street vendors, carts, and encroachers from Mohaddipur to Kudaghat Tiraha were removed.

Several handcarts and kiosks were seized

9 shopkeepers faced legal action

Speed Monitoring on Link Expressway

As per the orders of the ADG, vehicles on the Link Expressway were monitored using speed radar guns."Drivers were warned that if overspeeding continues, challan actions will begin after 3 days.

Traffic Violations Summary

During the day-long drive, a total of 1051 vehicles were fined under various sections of the Motor Vehicles Act, and a total of ?51,500 was collected in penalties.

Traffic police have confirmed that such campaigns will continue regularly to maintain order and safety on city roads.

Twinkling Smile Dental Clinic Inaugurated in Gorakhpur

Gorakhpur:Twinkling Smile Dental Clinic & Maxface Rehabilitation Studio was inaugurated at Bhagat Chauraha,

क्लीनिक का उद्घाटन करती वेदिका

डॉ. प्राजक्ता बारापात्रे

Deoria Bypass Road, Taramandal. The ribbon-cutting was done by child guest Vedika Ganesh Nimje.

Dr. Prajakta Barapatre (BDS, MDS, Fellowship – Japan) shared that the clinic offers advanced oral care services including implants, root canal treatments, cosmetic dentistry, full mouth rehabilitation, and pediatric care. The clinic promises affordable and expert treatment in both morning (10 AM – 1 PM) and evening (4 PM – 8 PM) sessions.

The event was attended by various doctors, social workers, and community members.

Cybercrime Awareness Workshop Organized in Gorakhpur

Gorakhpur | under the direction of the Senior Superintendent of Police, Gorakhpur, and the supervision of the Superintendent of Police (Crime), a workshop was organized at the Police Lines White House Auditorium to address the rising cases of cybercrime and to strengthen action mechanisms.

The workshop aimed to train the cyber cell teams appointed at various police stations across the district on operating multiple cybercrime-related portals. Officers from the Cyber Crime Cell, Crime Branch, provided comprehensive training to cyber nodal officers and cyber help desk staff, including computer operators, regarding the functioning and implementation of all portals operated by I4C (Indian Cyber Crime Coordination Centre).

During the session, key safety guidelines were shared to prevent cyber offenses. Participants were also instructed on the use of the national toll-free number 1930 and the cybercrime reporting website cybercrime.gov.in.

The workshop emphasized proactive awareness and digital preparedness to tackle cyber threats effectively.

'Husband husband', 'father voter ID card' instead of names, EC takes action after errors flagged

New Delhi | Bihar draft rolls: 'Husband Husband', 'father voter ID card' instead of names, EC takes action after errors flaggedThe mistakes, according to EC sources, pertained to Chapra Assembly constituency of Saran district. (File Photo) After social media users pointed out some errors in the draft electoral roll of Bihar published on August 1, a month after the Special Intensive Revision (SIR) of electoral rolls, Election Commission officials said Sunday that they would rectify those and action would be taken against Booth Level Officers (BLOs) responsible. Among the errors flagged were "husband husband", "father father", "father voter ID card" and "Election Commission of India" written instead of the names of the husband or parent of some electors. The mistakes, according to EC sources, pertained to Chapra Assembly constituency of Saran district. The names had been included with the same errors in the second supplementary electoral roll issued in March, they said. For example, in one booth in Chapra, a 22-year-old woman elector's father's name was mentioned as "father father"; husbands of two women were mentioned as "husband husband"; a 21-year-old woman's father's name was shown as "father's voter ID card", and a 19-year-old woman's mother's name was listed as "Election Commission of India". Saran District Magistrate Aman Samir, who is also the District Election Officer, said in a statement on Sunday that an inquiry has been initiated and action would be taken against the BLO in-charge at the time and the new BLO as well.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।